No. of Printed Pages : 3

ई.एच.डी.-2

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2018

10841

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-2 : हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) पावस देखि रहीम मन, कोयल साधे मौन ।
अब दादुर वक्ता भये, हमको पूछत कौन ।।

(ख) लाल बिना बिरहाकुल बाल वियोग की ज्वाल भई झूरि झूरि ।
पौन औ पानी सो प्रेम कहानी सौं पान ज्यौं प्रानीन राखत दूरी ।
"देव जू" आजु मिलाप की औछि सो बीतत देख बिसेख बिसूरी ।
हाथ उठायो उड़ायबे को उड़ि काग गरे गिरि चारिक चूरी ।

(ग) बीती विभावरी जाग री ।
अम्बर पनघट में डुबो रही –
तारा-घट उषा नागरी ।
खग-कुल कुलकुल सा बोल रहा
किसलय का अंचल डोल रहा
लो यह लतिका भी भर लाई
मधु मुकुल नवल रस गागरी ।

(घ) कभी बासन अधिक घिसने से मुलम्मा छूट जाता है ।
मगर क्या तुम नहीं पहचान पाओगी :
तुम्हारे रूप के – तुम हो, निकट हो, इसी जादू के –
निजी किस सहज, गहरे बोध से, किस प्यार से
मैं कह रहा हूँ –
अगर मैं यह कहूँ –
बिछली घास हो तुम
लहलहाती हवा में कलगी छरहरी बाजरे की ?

(ङ) खपा रहा है जीवन अपना
देख रहा है मिट्टी में सोने का सपना
मिट्टी की महिमा गाता
मिट्टी के ही अंत:स्थल में
अपने तन की खाद मिलाकर
मिट्टी को जीवित रखता है
खुद जीता है
यह धरती है उस किसान की ।

2. तुलसीदास-काव्य के भाव पक्ष की विशेषताएँ बताइए । *16*

3. भक्ति काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए । *16*

4. रीतिमुक्त काव्य को ध्यान में रखते हुए घनानंद के काव्य की विशेषताएँ बताइए । *16*

5. भारतेन्दुयुगीन काव्य किन परिस्थितियों की देन है ? उल्लेख कीजिए । *16*

6. महादेवी वर्मा के काव्य-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए । *16*

7. नागार्जुन के काव्य की विषय-वस्तु का सोदाहरण विवेचन कीजिए । *16*

8. प्रयोगवाद की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए । *16*

9. 'कुरुक्षेत्र' के अभिव्यंजना शिल्प की विशेषताएँ बताइए । *16*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×8=16*

(क) अपभ्रंश काव्य

(ख) सूरदास का काव्य

(ग) रामनरेश त्रिपाठी

(घ) धूमिल